अतिरिक्त भाग
नया नियम

नये नियम की पुस्तकों के विषय

मत्ती: यहूदी सुसमाचार
मरकुस: रोमी सुसमाचार
लूका: अन्यजाति सुसमाचार
यूहन्ना: विश्वास का सुसमाचार
प्रेरितों के काम: ग्रेट कमीशन का पूरा होना
रोमियों: मनुष्य के उद्धार का परमेश्वर का ढंग
1 कुरिन्थियों: रिपोर्टों पर चर्चा: प्रश्नों का उज़र दिया जाना
2 कुरिन्थियों: प्रेरिताई का बचाव
गलातियों: मसीह में स्वतन्त्रता
इफिसियों: कलीसिया, परमेश्वर की सनातन मंशा
फिलिप्पियों: आनन्द की पत्री
कुलुस्सियों: मसीह, सब वस्तुओं पर सिर
1 थिस्सलुनीकियों: द्वितीय आगमन से एक दूसरे को उत्साहित करना
2 थिस्सलुनीकियों: पाप का मनुष्य
1 तीमुथियुस: डीकनों तथा ऐल्डरों की योग्यताएं
2 तीमुथियुस: पौलुस द्वारा लिखी अंतिम पत्री
तीतुस: कलीसिया को व्यवस्थित रूप देना
फिलेमोन: उनेसिमुस के लिए एक बिनती
इब्रानियों: पुराने के लिए नये को न छोड़ें
याकूब: व्यावहारिक धर्म
1 पतरस: कष्ट में भी आशा
2 पतरस: झूठे शिक्षक आ रहे हैं!
1 यूहन्ना: प्रेम तथा आश्वासन की पत्री
2 यूहन्ना: सच्चाई में बने रहो
3 यूहन्ना: गयुस, दियुत्रिफेस, देमेत्रियुस
यहूदा: विश्वास के लिए यत्न से प्रयास करें
प्रकाशितवाज़्य: विजय प्रभु के लोगों की ही होने वाली है

नये नियम की 27 पुस्तकों के वर्गीकरण

1. जीवनी
    - क. मत्ती
    - ख. मरकुस
    - ग. लूका
    - घ. यूहन्ना
2. इतिहास
    - क. प्रेरितों के काम
3. पौलुस की पत्रियां
    - क. रोमियों
    - ख. 1 कुरिन्थियों
    - ग. 2 कुरिन्थियों
    - घ. गलातियों
    - ङ. इफिसियों
    - च. फिलिप्पियों
    - छ. कुलुस्सियों
    - ज. 1 थिस्सलुनीकियों
    - झ. 2 थिस्सलुनीकियों
    - ञ. 1 तीमुथियुस
    - त. 2 तीमुथियुस
    - थ. तीतुस
    - द. फिलेमोन
4. सामान्य पत्रियां
    - क. इब्रानियों
    - ख. याकूब
    - ग. 1 पतरस
    - घ. 2 पतरस
    - ङ. 1 यूहन्ना
    - च. 2 यूहन्ना
    - छ. 3 यूहन्ना
    - ज. यहूदा
5. भविष्यवाणी
    - क. प्रकाशितवाक्य

नये नियम का कालक्रम

पुस्तक	समय
मत्ती	60 ईस्वी ?
मरकुस	65
लूका	लगभग 60
यूहन्ना	90 का दशक
प्रेरितों के काम	62
रोमियों	54–59
1 कुरिन्थियों	53–54
2 कुरिन्थियों	54–55
गलातियों	48–49
इफिसियों	लगभग 62
फिलिप्पियों	लगभग 62
कुलुस्सियों	लगभग 62
1 थिस्सलुनीकियों	51–52
2 थिस्सलुनीकियों	52–53
1 तीमुथियुस, 2 तीमुथियुस, तीतुस	64–68
फिलेमोन	लगभग 62
इब्रानियों	63–66
याकूब	44–45
1 पतरस	64–67
2 पतरस	67–68
1 यूहन्ना, 2 यूहन्ना, 3 यूहन्ना	90–95
यहूदा	65–70
प्रकाशितवाक्य	90–96

नये नियम की पुस्तकों के लेखक

लेखक	पुस्तक
मत्ती	मत्ती
मरकुस	मरकुस
लूका	लूका; प्रेरितों के काम
यूहन्ना	यूहन्ना; 1, 2, 3 यूहन्ना; प्रकाशितवाक्य
याकूब	याकूब
यहूदा	यहूदा
?	इब्रानियों
पौलुस	रोमियों; 1, 2 कुरिन्थियों; गलातियों; इफिसियों; फिलिप्पियों; कुलुस्सियों; 1, 2 थिस्सलुनीकियों; 1, 2 तीमुथियुस; तीतुस; फिलेमोन
पतरस	1, 2 पतरस

यीशु के आश्चर्यकर्म

	मत्ती	मरकुस	लूका	यूहन्ना
मछलियां पकड़ना			5:4-11	
कोढ़ी को चंगा करना	8:2-4	1:40-42	5:12, 13	
रोमी सूबेदार के नौकर को चंगा करना	8:5-13		7:1-10	
नाईन नगर की विधवा के पुत्र को जिलाना			7:11-15	
पतरस की सास को चंगा करना	8:14, 15	1:30, 31	4:38, 39	
तूफ़ान को शांत करना	8:23-27	4:37-41	8:22-25	
गदरेनियों के दो लोगों में से दुष्टात्मा निकालना	8:28-34	5:1-15	8:27-35	
झोले के मारे को चंगा करना	9:2-7	2:3-12	5:18-25	
याईर की बेटी को जिलाना	9:18, 19, 23-25	5:22-24, 38-42	8:41, 42, 49-56	
बारह वर्ष से लहू बहने के रोग वाली स्त्री का चंगा होना	9:20-22	5:25-29	8:43-48	
दो अंधों को चंगा करना	9:27-31			
गूंगे और दुष्टात्मा से ग्रस्त आदमी को चंगा करना	9:32, 33			
सूखे हाथ वाले को चंगा करना	12:10-13	3:1-5	6:6-10	
अंधे, गूंगे और दुष्टात्मा से ग्रस्त आदमी को चंगा करना	12:22		11:14	
5000 को खिलाना	14:15-21	6:35-44	9:12-17	6:5-13
पानी पर चलना	14:25	6:48-51		6:19-21
कनानी स्त्री की बेटी का चंगा होना	15:21-28	7:24-30		

	मत्ती	मरकुस	लूका	यूहन्ना
4000 को खिलाना	15:32-38	8:1-9		
दुष्टात्मा से ग्रस्त लड़के का चंगा होना	17:14-18	9:17-29	9:38-43	
मछली के मुंह में सिक्का	17:24-27			
दो अंधों (एक का नाम बरतिमाई) का चंगा होना	20:29-34	10:46-52	18:35-43	
अंजीर का बेफल पेड़ सूख जाता है	21:18-22	11:12-14, 20-25		
गूंगा-बहरा चंगा हुआ		7:31-37		
दुष्टात्मा से ग्रस्त आदमी, आराधनालय में चंगा हुआ		1:23-26	4:33-35	
बैतसेदा में अंधे को चंगाई मिली		8:22-26		
कुबड़ी औरत चंगी हुई			13:11-13	
जलंधर का रोगी चंगा हुआ			14:1-4	
दस कोढ़ी चंगे हुए			17:11-19	
महायाजक का सेवक चंगा हुआ			22:50, 51	
पानी का मय बनाना				2:1-11
कफ़रनहूम के अधिकारी का पुत्र चंगा हुआ				4:46-54
बेतहसदा के कुण्ड का बीमार चंगा हुआ				5:1-9
अन्धा जन्मा आदमी चंगा हुआ				9:1-7
लाज़र ज़िन्दा हुआ				11:1-44
एक बार और मछलियां पकड़ना				21:1-11

यीशु के दृष्टांत

	मत्ती	मरकुस	लूका
पैमाने के नीचे दीवट	5:14, 15	4:21, 22	8:16; 11:33
बुद्धिमान एवं मूर्ख	7:24-27		6:47-49
पुराने वस्त्र पर नये कपड़े का पैबंद	9:16	2:21	5:36
पुरानी मश्कों में नया दाखरस	9:17	2:22	5:37, 38
बीज बोने वाला और अलग-अलग मिट्टी	13:3-8, 18-23	4:3-8, 14-20	8:5-8, 11-15
जंगली बीज	13:24-30, 36-43		
राई का बीज	13:31, 32	4:30-32	13:18, 19
खमीर	13:33		13:20, 21
छुपा हुआ खज़ाना	13:44		
अनमोल मोती	13:45, 46		
जाल	13:47-50		
गृहस्थ	13:52		
खोई हुई भेड़	18:12-14		15:4-7
निर्दयी सेवक	18:23-34		
दाख की बारी में काम करने वाले	20:1-16		
पिता और उसके दो पुत्र	21:28-32		
दुष्ट किसान	21:33-44	12:1-11	20:9-18
राजा के पुत्र का विवाह	22:2-14		
अंजीर के पेड़ के पत्ते	24:32-35	13:28, 29	21:29-31
विश्वासयोग्य एवं दुष्ट दास	24:45-51		12:42-48

	मत्ती	मरकुस	लूका
दस कुंवारियां	25:1-13		
तोड़े	25:14-30		19:12-27
भेड़ें और बकरियां	25:31-46		
उगने वाला बीज		4:26-29	
चौकस सेवक		13:35-37	12:35-40
दो कर्ज़दार			7:41-43
दयालु सामरी			10:30-37
आधी रात को ज़रूरत में मित्र			11:5-8
धनवान मूर्ख			12:16-21
अंजीर का फलहीन पेड़			13:6-9
दावत में बुलाए जाने पर नीची जगह			14:7-14
बड़ा *भोज*			14:16-24
चेला बनने का मूल्य			14:28-33
खोया हुआ सिक्का			15:8-10
खोया हुआ (उड़ाऊ) पुत्र			15:11-32
अधर्मी भण्डारी			16:1-8
धनी आदमी और लाज़र			16:19-31
स्वामी और उसका सेवक			17:7-10
हठी विधवा			18:2-8
फरीसी और चुंगी लेने वाला			18:10-14

पुनरुत्थान के बाद यीशु द्वारा दिए दर्शन

किसे दिखाई दिया:	कब:	मत्ती	मरकुस	लूका	यूहन्ना	प्रेरितों	1 कुरिं.
1. कब्र पर मरियम मगदलीनी को	रविवार भोर		16:9-11		20:11-18		
2. अन्य स्त्रियों को	रविवार भोर	28:5-10	16:2-8	24:1-10			
3. इम्माउस के मार्ग पर दो यात्रियों को	रविवार दोपहर			24:13-32			
4. यरूशलेम में पतरस को	रविवार			24:34			15:5
5. ऊपरी कमरे में दस चेलों को	रविवार शाम		16:14	24:36-43	20:19-25		
6. ऊपरी कमरे में ग्यारह चेलों को	एक सप्ताह बाद				20:26-31		15:5
7. गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे सात चेलों को	बाद में				21:1-23		
8. 500 से अधिक लोगों को	बाद में						15:6
9. याकूब को	बाद में						15:7
10. जैतून के पर्वत पर स्वर्गारोहण के समय ग्यारह चेलों को	पुनरुत्थान के 40 दिन बाद	28:16-20	16:15-18	24:44-49		1:3-8	

पौलुस की मिशनरी यात्राएं और रोम की जल-यात्रा

यात्रा	वचन	समय	कहां-कहां गया	पुस्तकें लिखीं
पहली	प्रेरितों 13:1-14:28	46-48 ई.	सूरिया के अन्ताकिया, सिलूकिया, कुप्रुस, सलमीस, पाफुस, पिसिदिया का अन्ताकिया, इकुनियुम, लुस्त्रा, दिरबे, अज़लिया	कोई नहीं
दूसरी	प्रेरितों 15:36-18:22	49-52 ई.	सूरिया का अन्ताकिया, किलिकिया, दिरबे, लुस्त्रा, फ्रुगिया, गलतिया, त्रोआस फिलिप्पी, अज़्फीपुलिस, अप्पोलोनिया, थिस्सलुनीके, बिरिया, अथेने, कुरिन्थुस, किंख्रिया, इफिसुस, कैसरिया, यरूशलेम	1 थिस्सलुनीकियों 2 थिस्सलुनीकियों
दूसरी	प्रेरितों 18:23-21:17	53-58 ई.	सूरिया का अन्ताकिया, गलतिया, फ्रुगिया, इफिसुस, त्रोआस, मकिदुनिया (फिलिप्पी), यूनान, कुरिन्थुस, फिलिप्पी, अस्सुस, मितुलेने, खियुस, सामुस, त्रोगिलियुम, मिलेतुस, कोस, रुदुस, पतरा, सूर, पतुलिमयिस, कैसरिया, यरूशलेम	1 कुरिन्थियों 2 कुरिन्थियों रोमियों
रोम को	प्रेरितों 21:15-28:16	61-63 ई.	यरूशलेम, अंतिपत्रिस, कैसरिया, सैदा, मूरा, शुभलंगरबारी, माल्टा, सुरकूसा, रेगियुम, पुतियुली, अपियुस का चौक, रोम	इफिसियों फिलिप्पियों कुलुस्सियों फिलेमोन

इफिसियों की पत्री में दी गई ''मसीह में''
[illegible] आयतें

हम मसीह यीशु में हैं (1:1)
मसीह में आशीषित पाए हुए (1:3)
उसमें चुने हुए (1:4)
मसीह द्वारा गोद लिए गए (1:5)
उस प्रिय में स्वीकार किए गए (1:6)
मसीह में छुटकारा और क्षमा पाए (1:7)
उसमें उसकी इच्छा प्रकट हुई (1:9)
सब कुछ मसीह में एकत्रित (1:10)
मसीह में मीरास (1:11)
मसीह में भरोसा रखा (1:12, 13)
मसीह में विश्वास (1:15)
उसमें बुद्धि (1:17)
मसीह में आशा (1:18)
मसीह में सामर्थ (1:19, 20)
मसीह में जिलाए गए (2:5, 6)
मसीह में सृजे गए (2:10)
मसीह में निकट लाए गए (2:13)
मसीह में बढ़ रहे (2:21)
मसीह में बनाए गए (2:22)
मसीह में उसकी प्रतिज्ञा के भागी (3:6)
परमेश्वर की बुद्धि मसीह में प्रकट की गई (3:10, 11)
मसीह के द्वारा हियाव और निकट आना (3:12)

पौलुस के बारे में

स्वयं पौलुस ...

... अलग किया गया	रोमि. 1:1
... सेवा करता	रोमि. 1:9
... शर्मसार नहीं हुआ **था**	रोमि. 1:16

पौलुस हमें दान देना सिखाता है

अपनी निर्धनता में से दें	2 कुरि. 8:2
उदारता से दें	2 कुरि. 8:3
इच्छा से दें	2 कुरि. 9:7
आमदनी के अनुसार दें	2 कुरि. 8:12, 13, 14
हर्ष से दें	2 कुरि. 9:7
खुले दिल से दें	2 कुरि. 9:6

पौलुस

... विश्वास में ...	1 कुरि. 16:13
... स्वतन्त्रता में ...	गला. 5:1
... आत्मा में ...	फिलि. 1:27
... प्रभु में ...	फिलि. 4

''स्थिर रहो'' कहता है

पौलुस आत्मा के फल बताता है

परमेश्वर के प्रति-प्रेम, आनन्द, मेल	
दूसरों के प्रति-धीरज, कृपा, भलाई	
अपने प्रति-विश्वास, नम्रता, संयम	गला. 5:22, 23

पौलुस कहता है कि ''उस [मसीह] में हम ... हैं''

उसमें चलो	कुलु. 2:6
उसमें जड़ पकड़ते हुए	कुलु. 2:7
उसमें बढ़ते हुए	कुलु. 2:7
उसमें परिपूर्ण किए गए	कुलु. 2:10
उसके साथ मरे	कुलु. 2:20
उसके साथ जी उठे	कुलु. 3:1
उसके साथ छिपे हुए	कुलु. 3:3

पौलुस ने [illegible] से आनंद लिया

उनके लिए धन्यवाद देने का	1 थिस्स. 2:15
संसार में सुसमाचार प्रचार करने का	1 थिस्स. 3:1
उनके [illegible] को स्थिर [illegible] करने का	1 थिस्स. 3:1, 2
शैतान द्वारा उनकी परीक्षा करने का	1 थिस्स. 3:5
पवित्र जीवन जीने का	1 थिस्स. 3:6–14

तीतुस में पौलुस ''भले कामों'' को [illegible] करता है

भले कामों का नमूना बनना	तीतुस 2:7
भले काम करने का उत्साह	तीतु. 2:14
हर भला काम करने को तैयार	तीतुस 3:1
भले काम में लगे रहने का ध्यान	तीतु. 3:8
अच्छे कामों में लगे रहना ताकि निष्फल न रहें	तीतुस 3:14

[illegible] तथा [illegible] में से

सात बहुमूल्य वस्तुएं

विश्वास की बहुमूल्य परीक्षा	1 पत. 1:7
बहुमूल्य लहू	1 पत. 1:19
कोने का बहुमूल्य पत्थर	1 पत. 2:4, 6
बहुमूल्य मसीह	1 पत. 2:7
बहुमूल्य आत्मा	1 पत. 3:4
बहुमूल्य विश्वास	2 पत. 1:1
बहुमूल्य प्रतिज्ञाएं	2 पत. 1:4

झूठे शिक्षकों का आना, पहचान तथा अंत (2 पत. 2)

नाश करने वाले पाखण्ड लेकर आते हैं	2:1
उस प्रभु का जिसने उन्हें मोल लिया इन्कार करते हैं	2:1
सत्य के मार्ग की निन्दा होती है	2:2
[illegible]	2:3
[illegible]	2:10
प्रभुता को तुच्छ जानते हैं	2:10
ढीठ, हठी	2:10

[illegible] 2:10
[illegible] 2:12
[illegible] 2:12
[illegible] 2:13
[illegible] 2:13
[illegible] 2:13
[illegible] 2:14
[illegible] 2:14
[illegible] 2:14
[illegible] 2:14
[illegible] है 2:15
[illegible] है 2:17
[illegible] 2:17
[illegible] 2:18
[illegible] है 2:18
[illegible] है 2:19

सात नई वस्तुएं

नया आकाश और नई पृथ्वी प्रकाशित. 21:1
[illegible] प्रकाशित. 21:2–8
नई दुल्हन प्रकाशित. 21:9
नया [illegible] प्रकाशित. 21:10–21
नया मन्दिर प्रकाशित. 21:22
नया प्रकाश प्रकाशित. 21:23–27
नया [illegible] प्रकाशित. 22:1–5

प्रकाशितवाक्य में एशिया की
7 कलीसियाओं के नाम प्रभु के पत्र

	इफिसुस	स्मुरना	पिरगमुन	थुआतीरा	सरदीस	फिलादेलफिया	लौदीकिया
प्रेषक	2:1	2:8	2:12	2:18	3:1	3:7	3:14
सराहना	2:3, 6	2:9	2:13	2:19, 24	3:4	3:8, 10	कोई नहीं
डांट	2:4	कोई नहीं	2:14, 15	2:20, 21	3:1	कोई नहीं	3:15, 17
सुझाव	2:5	2:10	2:16	2:25	3:2, 3	3:11	3:18, 19
चेतावनी	2:5	कोई नहीं	2:16	2:22, 23	3:3	3:11	3:18
निर्देश	2:7	2:11	2:17	2:29	3:6	3:13	3:22
प्रतिज्ञा	2:7	2:11	2:17	2:26–28	3:5	3:10, 12	3:20, 21

प्रत्येक कलीसिया के मुख्य विश्लेषण इस प्रकार है: इफिसुस–आत्मिक पतन; स्मुरना–पीड़ा में स्थिर रहने वाली; पिरगमुन–[illegible]; थुआतीरा–सांसारिक बातों में समझौता; सरदीस–[illegible]; फिलादेलफिया–सच्ची निष्ठा; लौदीकिया–आत्मिक उदासीनता।

मसीही लोगों की उदारता से ट्रुथ फॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल बिना कोई कीमत लिए ये पुस्तकें उपलब्ध करवा सकता है। अपनी mailing list को अपडेट करने के लिए हमें आपसे निम्न जानकारी चाहिए। यह पुष्टि करने के लिए कि आपका पता अभी भी सही है, कृपया हमें साल में कम से कम एक बार अवश्य लिखें कि क्या आपको यह सामग्री लगातार सही पते पर मिल रही है [illegible] आपको [illegible] [illegible] [illegible] रही है। [illegible] [illegible] में [illegible] [illegible] [illegible]।

एक पर टिक करें: ☐ पुरुष ☐ स्त्री

(नोट: सम्भव हो तो पता अंग्रेजी के बड़े अक्षरों में लिखें)

नाम: ____

पूरा पता: ____

____

PIN ______________ ________________________________

पुराना पता (पता बदलने की स्थिति में): ____________

____

____

PIN ______________ ________________________________

ई-मेल पता: ______________________________________

कलीसिया का नाम: _________________________________

भाषा: ____

प्रचारक का नाम: __________________________________

जिस मण्डली में आप आराधना करते हैं, वहाँ आपकी भूमिका क्या है?

☐ प्रचारक ☐ सदस्य
☐ बाइबल क्लास टीचर ☐ सदस्य नहीं

क्या आपने ट्रुथ फॉर टुडे वर्ल्ड मिशन स्कूल का कोई पाठ्यक्रम पूरा किया है? (एक पर टिक करें):

☐ नहीं
☐ हाँ, डाक से
☐ हाँ, श्री ____________________ के पास से।

आप किस भाषा में पुस्तकें पाना चाहेंगे? (केवल एक ही टिक करें):

☐ हिन्दी ☐ तमिल ☐ तेलुगु ☐ अंग्रेजी

आप इस सामग्री का इस्तेमाल कैसे करते हैं/करेंगे? ____________________

____

यदि आप ऐसे व्यक्तियों को जानते हैं जो इस सामग्री को [illegible] चाहेंगे, तो कृपया इस [illegible] की कॉपी [illegible] उनके नाम से भरकर Truth for Today, P.O. Box 44, Chandigarh - 160017 के पते पर भेजें।